पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एमओईएस)

महत्वपूर्ण घटनाक्रम का सारांश- जनवरी, 2022

1. **माह के दौरान लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और प्रमुख उपलब्धियां**: **अनुलग्नक-I** में दी गई हैं।

2. **व्यापक अंतर मंत्रालयी विचार-विमर्श/विलंब आदि के कारण रुके हुए महत्वपूर्ण नीतिगत पहलू/मामले आदि**: शून्य।

3. **सचिवों की समिति के निर्णयों का अनुपालन**

क्रम सं.	**सचिवों की समिति के निर्णयों की संख्या जो अनुपालन के लिए लंबित है।**	**प्रस्तावित कार्य योजना / समय सीमा।**	**अभ्युक्तियां**
1.	दिनांक 14/08/2014 क्रिल मछली पकड़ने का प्रस्ताव। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, विदेश मंत्रालय के साथ मिलकर क्रिल मछली पकड़ने में विभिन्न देशों के अनुभव का अध्ययन करेगा ताकि भारत उनके अनुभवों से सीख सके। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सहयोग से विदेश मंत्रालय उन देशों की जांच एवं पहचान करेगा जिनके साथ भारत क्रिल मछली पकडने में सहयोग कर सकता है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय क्रिल मछली पकड़ने में भारतीय उद्योग के हितों का पता लगाएगा और विदेशी कंपनियों के साथ सीधे सहयोग करने वाली भारतीय कंपनियों की व्यवहार्यता का भी पता लगाएगा। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय अंतर्राष्ट्रीय अभिसमय दायित्वों के भाग के रूप में कानून के मसौदे को अंतिम रूप देने से पहले अन्य सदस्य देशों द्वारा अधिनियमित कानूनों का अध्ययन करेगा। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय क्रिल मछली पकड़ने से संबंधित मांग विश्लेषण, वित्तीय व्यवहार्यता, उद्योग के हितों, अन्य देशों के अनुभवों, मछली पकड़ने के लाइसेंस के लिए मापदंड, मौजूदा ज्ञान की कमी आदि के संबंध में एक दस्तावेज प्रकाशित करेगा। इसके बाद, भारत को वाणिज्यिक क्रिल मछली पकड़ने में शामिल होना चाहिए या नहीं, इस पर निर्णय लेने के लिए सचिवों की समिति की पुनः बैठक होगी।	पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने क्रिल मछली पकड़ने से संबंधित पहलुओं की जांच की है। जापान और नॉर्वे ने विशेषज्ञता विकसित की है और क्रिल मछली पकड़ने में सहयोग के लिए इन देशों को अस्थायी रूप से चिह्नित किया गया है। उनके अनुभव प्राप्त हुए हैं। क्रिल मछली पकड़ने के लिए भारतीय उद्योग से संपर्क किया गया है ताकि उनके हितों का पता लगाया जा सके। तथापि, अभी तक हमें कोई प्रतिक्रिया नहीं प्राप्त हुई है। मसौदा दस्तावेज तैयार है और मंत्रिमंडल सचिवालय के सुझाव प्राप्त हो गए हैं।	क्रिल मछली पकड़ने के लिए नॉर्वे के साथ सहयोग के लिए नीति आयोग के माध्यम से प्रस्ताव भेजा गया है।

4. **मंत्रालय में तीन महीने से अधिक समय से लंबित अभियोजन के लिए स्वीकृति के मामले**: शून्य।

5. **ऐसे मामलों का विवरण जिसमें सरकार के स्थापित कार्य व्यवहार- नियमों में छूट दी गयी है**: शून्य

6. **ई-प्रशासन के कार्यान्वयन की स्थिति**: कार्यान्वित किया जा रहा है।

7. **लोक शिकायतों की स्थिति:**

महीने के दौरान निपटाई गई लोक शिकायतों की संख्या	महीने के अंत में लंबित लोक शिकायतों की संख्या
40	38

8. प्रशासन और विकास में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी आधारित उपकरणों और अनुप्रयोगों के उपयोग के लिए मंत्रालय/विभागों द्वारा किए गए विशिष्ट उपायों के संबंध में सूचना:

समुद्र की सतह का तापमान और क्लोरोफिल जैसे उपग्रह से प्राप्त किए गए मापदंडों का उपयोग करके मछली पकड़ने के संभावित क्षेत्र की परामर्शिकाएं जारी की जाती हैं। इसके अलावा, अल्पावधि और मध्यम अवधि के मौसम का पूर्वानुमान लगाने के लिए ग्लोबल सैटेलाइट के डेटा का सतत रूप से उपयोग किया जाता है।

9 (i) इस बात की पुष्टि की जाए कि मंत्रालय/विभाग और उसके संगठनों के मंत्रिमंडल की नियुक्ति संबंधी समिति के दायरे में आने वाले सभी पदों का ब्यौरा एवीएमएस (ए.सी.सी रिक्ति निगरानी प्रणाली) पर अद्यतन किया गया है: इस बात की पुष्टि की जाती है कि मंत्रालय/विभाग और उसके संगठनों के मंत्रिमंडल की नियुक्ति संबंधी समिति के दायरे में आने वाले सभी पदों का ब्यौरा एवीएमएस पर अद्यतन किया गया है और इसका ब्यौरा **अनुलग्नक-II** में दिया गया है।

(ii) मंत्रिमंडल की नियुक्ति संबंधी समिति के निर्देशों के अनुपालन के बारे में स्थिति: इस बात की भी पुष्टि की जाती है कि मंत्रिमंडल की नियुक्ति संबंधी समिति के निर्देशों का अनुपालन किया गया है।

(iii) उन मामलों की स्थिति, जहां पीईएसबी से सिफारिशें प्राप्त हुई हैं, लेकिन प्रस्तावों को अभी तक एसीसी सचिवालय को प्रस्तुत किया जाना है: शून्य

****

लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और प्रमुख उपलब्धियां:

- भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 14 जनवरी, 2022 को अपना 147वां स्थापना दिवस समारोह मनाया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने किया और लद्दाख के माननीय उपराज्यपाल, श्री आर के माथुर ने विशेष वक्तव्य दिया। माननीय सांसद (लद्दाख), श्री. जामयांग सेरिंग नामग्याल भी समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर, चार (4) डॉपलर मौसम रडार (डीडब्ल्यूआर) अर्थात् वेरावली (मुंबई) में सी-बैंड पोलारिमेट्रिक, आयानगर (दिल्ली), पल्लीकरनई (चेन्नई) और लेह में एक्स-बैंड पोलारिमेट्रिक का उद्घाटन माननीय मंत्री जी द्वारा किया गया। इसके अतिरिक्त, चार (4) पहलें अर्थात् (i) विमानन मौसम सेवाओं के लिए समर्पित वेबसाइट (ii) प्रतिकूल मौसम की निगरानी और पूर्वानुमान के लिए भू-स्थानिक सेवाएं (iii) जलवायु खतरे और संवेदनशीलता एटलस और (iv) "क्राउड सोर्सिंग मोबाइल ऐप" के माध्यम से "सार्वजनिक प्रेक्षण प्रणाली का उद्घाटन भी माननीय मंत्री जी और अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा किया गया। इस अवसर पर निम्नलिखित पुस्तकों का विमोचन किया गया:-
  - स्टेटमेंट ऑन क्लाइमेट ऑफ इंडिया ड्यूरिंग 2021
  - 2021 के दौरान उत्तर हिंद महासागर के ऊपर चक्रवाती विक्षोभों पर रिपोर्ट
  - दक्षिण पश्चिम मानसून ऋतु 2021 के दौरान उप-बेसिन वार मात्रात्मक वर्षा पूर्वानुमान के सत्यापन पर रिपोर्ट
  - क्षेत्रीय अनुप्रयोगों के लिए संख्यात्मक मौसम पूर्वानुमान मॉडल उत्पादों पर एक रिपोर्ट
  - भारतीय ग्रिड के सुरक्षित, विश्वसनीय और किफायती संचालन के लिए मौसम की जानकारी का उपयोग
  - भारतीय GNSS व्युत्पन्न IPWV के मौसम विज्ञान संबंधी अनुप्रयोगों पर एक रिपोर्ट
  - मौसम अंक वॉल्यूम 73, अंक 1
  - मौसम मंजूषा (34वां अंक)
  - आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत स्वतंत्रता के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में 18-24 अक्टूबर, 2021 के दौरान आईएमडी द्वारा आयोजित देशव्यापी प्रतियोगिताओं के माध्यम से लोगों से प्राप्त कविताओं और पोस्टरों का संपादित अंक।
- 2021 के दौरान भारत में वार्षिक औसत भू सतह हवा का तापमान दीर्घकालीन औसत (1981-2010 की अवधि) से +0.44 डिग्री सेन्टिग्रेड अधिक था। 1901 में राष्ट्रव्यापी रिकॉर्ड शुरू होने के बाद से वर्ष 2021 रिकॉर्ड किया गया पांचवां सबसे गर्म वर्ष था।
- 22 जनवरी, 2022 से तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईक्कल, केरल और माहे और तटीय आंध्र प्रदेश और यनम के आस पास के क्षेत्रों, रायलसीमा और दक्षिण कर्नाटक के आंतरिक भागों में पूर्वोत्तर मानसून की वर्षा बंद हो गई थी।
- भारतीय वायु सेना (मौसम विज्ञान निदेशालय) और राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केन्द्र (एनसीएमआरडब्ल्यूएफ) के बीच "संख्यात्मक मौसम पूर्वानुमान और विमानन मौसम विज्ञान पर बल देने के साथ आपसी सहयोग" के संबंध में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।
- भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र (इंकॉइस) ने समुद्री प्रेक्षणों के क्षेत्र में सहयोगात्मक अनुसंधान के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

कोई भी ऐसा मामला मंत्रिमंडल के समक्ष लंबित नहीं था जिसके लिए निर्णय/अनुमोदन की आवश्यकता हो।

<u>न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन;</u>

- किसान पोर्टल और सरकारी निजी सहभागिता मोड के माध्यम से देश में SMS और IVR प्रौद्योगिकी के जरिए उपयोक्ता समुदायों के लिए एग्रोमेट परामर्शिकाओं का प्रसार जारी है। वर्तमान में, देश

में लगभग 28.78 मिलियन किसान सीधे तौर पर SMS के जरिए एग्रोमेंट परामर्शिकांए प्राप्त कर रहे हैं।

- राज्य सरकार के अधिकारियों/ आपदा संबंधी अधिकारियों/केंद्र सरकार के संगठनों/जन सामान्य को मोबाइल के माध्यम से प्रतिकूल मौसम के बारे में SMS से चेतावनियां भेजी जा रही हैं।
- राज्य प्राधिकरणों, इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया सहित सभी प्रयोक्ताओं को ई-मेल के माध्यम से कई शहरों के लिए चेतावनी और शहर पूर्वानुमान के साथ-साथ दैनिक पूर्वानुमान प्रसारित किये जाते हैं।

<u>वायु मंडलीय प्रेक्षण प्रणाली नेटवर्क</u>

प्रेक्षण का प्रकार	अब तक चालू किए गए	महीने के दौरान स्थापित।	डेटा रिपोर्टिंग।
स्वचालित मौसम स्टेशन (AWS)	*325 (727-402)	--	325
स्वचालित वर्षा मापक (ARG)	505** (1382-877)		505
एग्रो (AWS)	195	12	188
GPS सोंडे आधारित RS/RW (रेडियो सोंडे/रेडियों वायु) स्टेशन	56	--	56
डॉपलर मौसम रडार (DWR)	*** 32		24
ओजोन (ओजोन सोंडे+कुल ओजोन)	04	--	04
सतह ओजोन (विद्युत-रासायनिक सांद्रता सैल विधि)	07	--	07
नेफेलोमीटर	12	--	12
स्काई रेडियोमीटर	20	--	13
ब्लैक कार्बन मॉनिटरिंग सिस्टम (अथैलोमीटर)	25	--	23
वायु गुणवत्ता निगरानी प्रणाली (SAFAR)	10 (दिल्ली) 10 (मुंबई) 10 (अहमदाबाद)	--	09 (दिल्ली) शून्य (मुंबई)**** 10 (अहमदाबाद)
हाइड्रोमैट (भारत मौसम विज्ञान विभाग एवं AWS & ARG को छोडकर अन्य विभाग	---	--	3250
विमानन	79	--	79
रेडिएशन स्टेशन	46	---	46

*कुल 727 में से 402 पुराने हैं।
**कुल 1382 में से 877 पुराने हैं।
***भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) के दो डॉप्लर मौसम रडारों सहित।
**** फर्म के साथ अनुबंध का नवीनीकरण नहीं किया गया है।

मॉडलिंग

जनवरी, 2022 के दौरान, हर सप्ताह गुरुवार को, बारिश, सतह के तापमान और हवाओं (पूर्ण क्षेत्रों और विसंगतियों) के लिए चार सप्ताह के लिए राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केंद्र युग्मित मॉडल आधारित विस्तारितअवधि पूर्वानुमान (ERP) (i) आईएमडी के लंबी अवधि के पूर्वानुमान और कृषि-मौसम प्रभाग, (ii) भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान ERP समूह, (iii) अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (SAC), (iv) हिमपात और हिमस्खलन अध्ययन प्रतिष्ठान (SASE), (v) भारतीय वायु सेना (IAF), (vi) नेवी, (vii) जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ

इंडिया (GSI), (viii) नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हाइड्रोलॉजी (NIH), (ix) आईएमडी के सभी क्षेत्रीय केंद्र और (x) बंगाल इनिशिएटिव फॉर मल्टी-सेक्टोरल तकनीकी और आर्थिक सहयोग (बिम्सटेक) देशों के मौसम विभागों को वास्तविक समय में प्रदान किए गए । इसके अतिरिक्त, हिमपात के पूर्वानुमान SASE/DRDO तथा IAF को उपयोग के लिए उपलब्ध करवाए गए।

मासिक मौसम सारांश (जनवरी 2022)

क) माह के दौरान मौसम की महत्वपूर्ण घटनाएं

निम्न दबाव प्रणालियां: माह के दौरान कुल सात पश्चिमी विक्षोभों ने पश्चिमोत्तर भारत को प्रभावित किया। इनके कारण व्यापक से व्यापक वर्षा/बर्फबारी हुई और पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र और पश्चिमोत्तर और आसपास के मध्य भारत के मैदानी इलाकों में इक्का-दुक्का छिटपुट वर्षा/बर्फबारी हुई। चक्रवाती परिसंचरण /द्रोणी के रूप में पश्चिमी विक्षोभों के अवशेषों ने पूर्व और पूर्वोत्तर भारत के कुछ हिस्सों के बड़े पैमाने पर प्रभावित किया और वहां भारी वर्षा / गरज के साथ वर्षा हुई।

पश्चिमोत्तर, मध्य और पूर्वी भारत के कुछ हिस्सों में माह के दौरान कुछ दिनों और उत्तर प्रदेश में अधिकतम दिनों तक घने से बहुत घना कोहरा छाया रहा।

माह के दौरान पश्चिमोत्तर और मध्य भारत के कुछ हिस्सों में लंबे समय तक ठंड से लेकर प्रचंड ठंड का अनुभव हुआ।

ख) वर्षा परिदृश्य: जनवरी, 2022 माह में, पूरे देश में 39.6 मिमी. वर्षा दर्ज की गई जो इसके दीर्घावधि औसत (LPA) 17.3 मिमी. का 229% है।

ग) भारी वर्षा की घटनायें:

समयावधि जिसके लिए चेतावनी जारी की गई	भारी / बहुत भारी वर्षा की घटनाओं की संख्या (> 64.4 मिमी): 31
	64.4 मिमी से अधिक वर्षा के लिए प्रतिशत सुधार (% में)
दिन 1/24 घंटे।	97
दिन 2/48 घंटे	98
दिन 3/72 घंटे।	98

घ) तापमान परिदृश्य:
जनवरी, 2022 माह में देश में समग्र रूप से औसत तापमान 19.73 डिग्री सेल्सियस था, जो कि सामान्य तापमान से 0.09 डिग्री सेल्सियस अधिक था। माह के दौरान देश के मैदानी इलाकों में 29 जनवरी, 2022 को कोट्टायम (केरल और माहे) में अधिकतम तापमान 37.3^{0}C दर्ज किया गया और 2 जनवरी 2022 को हिसार (हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली) में न्यूनतम तापमान 1.6^{0}C दर्ज किया गया।

ङ) गरजने और ओलावृष्टि की घटनाएं: माह के दौरान (माह की अंतिम तिथि को भारतीय मानक समय 08: 30 तक) गरजने और ओलावृष्टि की घटनाएं नीचे तालिका में दी गई हैं:

क्र. सं.	राज्य / संघ राज्य क्षेत्र	गरजने की घटनाएँ	ओलावृष्टि की घटनाएं	धूल भरी आंधी	झोंकेदार हवाएँ
1	अंडमान व निकोबार	0	0	0	0
2	आंध्र प्रदेश	8	7	0	0
3	अरुणाचल प्रदेश	0	0	0	0
4	असम	0	0	0	0
5	बिहार	6	4	5	4

6	चंडीगढ़	0	0	0	0
7	छत्तीसगढ़	2	0	0	0
8	दादर और नगर हवेली	0	0	0	0
9	दिल्ली	2	1	1	2
10	गोवा	0	0	0	0
11	गुजरात	0	0	0	2
12	हरियाणा	16	3	3	8
13	हिमाचल प्रदेश	2	1	0	0
14	जम्मू एवं कश्मीर	0	0	0	0
15	झारखंड	0	0	0	0
16	कर्नाटक	1	1	1	2
17	केरल	2	1	2	1
18	लद्दाख	0	0	0	0
19	लक्ष द्वीपसमूह	0	0	0	0
20	मध्य प्रदेश	0	2	2	0
21	महाराष्ट्र	1	0	0	4
22	मणिपुर	0	0	0	0
23	मेघालय	0	0	0	0
24	मणिपुर	0	0	0	0
25	नागालैंड	0	0	0	0
26	ओडिशा	4	4	0	0
27	पुडुचेरी	0	0	0	0
28	पंजाब	2	2	2	1
29	राजस्थान	4	5	3	7
30	सिक्किम	0	0	0	0
31	तमिलनाडु	0	0	0	2
32	तेलंगाना	2	2	0	1
33	त्रिपुरा	3	2	0	1
34	उत्तर प्रदेश	6	6	7	4
35	उत्तराखंड	1	0	0	0
36	पश्चिम बंगाल	3	1	0	1

जारी किए गए बुलेटिन/ चेतावनियां /प्रेस विज्ञप्तियां:

अखिल भारतीय मौसम बुलेटिन- 124 , अखिल भारतीय मौसम अनुमान और प्रतिकूल मौसम चेतावनियां-124 , अखिल भारतीय साप्ताहिक मौसम रिपोर्टें-4, पश्चिमी और मध्य हिमालयी क्षेत्र के लिए पर्वत मौसम बुलेटिन-62 , उत्तर भारत के लिए अखिल भारतीय बहु- जोखिम सर्दी के मौसम की जारी की गई चेतावनियां:-31, वर्तमान तापमान की स्थिति और उत्तर भारत के लिए अगले 24 घंटों के लिए शीत लहर चेतावनी बुलेटिन:-31, समुद्री मौसम बुलेटिन:-62, प्रतिकूल मौसम के लिए नाउकास्ट मार्गदर्शन बुलेटिन-31, माह के दौरान जारी कुल प्रेस विज्ञप्तियां-45

प्रकाशन और प्रचालन रिपोर्टें:

i) जनवरी 2022 माह की अन नीनो - दक्षिणी दोलन (ईएनएसओ) बुलेटिन तथा जनवरी से अप्रैल 2022 माह के लिए दक्षिण एशिया हेतु मौसमी जलवायु आउटलुक जारी किए गए (त्वरित लिंक: www.imdpune.gov.in/Clim_Pred_LRF_New/Products.html)

ii) 4 साप्ताहिक, 1, 2, 3 एवं 4 मासिक समय पैमाने पर 0.5*0.5 डिग्री रिजोल्यूशन पर ग्रिडेड मानकीकृत वर्षा सूचकांक (SPI) तथा मानकीकृत वर्षा इवैपोट्रांसपासयरेशन सूचकांक (SPEI) की गणना की गई। आईएमडी पुणे की वेबसाइट पर साप्ताहिक आधार पर उपर्युक्त समय-पैमाने के मैप अपलोड किए गए।

iii) दिनांक 01.12.2021, 08.12.2021, 15.12.2021, 22.12.2021 तथा 29.12.2021 को समाप्त सप्ताहों के लिए चार साप्ताहिक और संचयी मानकीकृत वर्षा सूचकांक (एसपीआई) मानचित्र तैयार किए गए और कृषि मौसम परामर्शी सेवा बुलेटिन में उपयोग के लिए भेजे गए। इन्हें आईएमडी पुणे वेबसाइट पर भी अपलोड किया गया है।

iv) दिनांक 05.01.2022, 12.01.2022, 19.01.2022 और 26.01.2022 को समाप्त सप्ताह के लिए चार साप्ताहिक और संचयी मानकीकृत वर्षा सूचकांक (एसपीआई) मानचित्र तैयार किए गए और कृषि मौसम परामर्शी सेवा बुलेटिन में उपयोग के लिए भेजे गए। इन्हें आईएमडी पुणे वेबसाइट पर भी अपलोड किया गया है।

v) 30 दिसम्बर 2021 से लेकर 5 जनवरी 2022 तक, 6 से लेकर 12 तक, 13 से लेकर 19 तक, 20 से लेकर 26 जनवरी 2022 तक की अवधि के लिए चार साप्ताहिक शुष्कता विसंगति आउटलुक मैप तैयार किए गए हैं, तथा भारत मौसम विज्ञान विभाग की वेबसाइट पर अपलोड किए गए हैं।

vi) दिनांक 6 से लेकर 12, 13 से लेकर 19, 20 से लेकर 26, तथा 27 जनवरी से लेकर 2 फरवरी 2022 तक की अवधि के लिए चार साप्ताहिक शुष्कता विसंगति आउटलुक मैप तैयार किए गए हैं, तथा भारत मौसम विज्ञान विभाग की वेबसाइट पर अपलोड किया गया।

vii) सितम्बर और अक्टूबर 2021 के लिए जलवायु डायग्नोस्टिक बुलेटिन प्रकाशित किए गए।

भूकंपविज्ञानीय प्रेक्षण नेटवर्क

प्रेक्षण का प्रकार	लक्ष्य	चालू किए गए	माह के दौरान डेटा रिपोर्टिंग
भूकंप पूर्वानुमान केन्द्र	115	152	144

भूकंप और सुनामी की निगरानी

भूकंप: भारतीय क्षेत्र में 97 भूकंपों की निगरानी की गई, जिसमें से 6 भूकंपों की तीव्रता 5.0 से अधिक थी।
सुनामी**:** सुनामी उत्पन्न कर सकने की क्षमता वाले 2 समुद्र तलीय भूकंप (6 से अधिक तीव्रता वाले) आए। यह सूचना सभी घटनाओं के घटित होने के 12 मिनट से कम समय में उपलब्ध कराई गई।

समुद्र प्रेक्षण प्रणाली

प्लेटफॉर्म का प्रकार	लक्ष्य	दिसम्बर, 2021 तक चालू किए गए	जनवरी, 2022 के दौरान प्राप्त डेटा
अर्गो फ्लोट्स*	200	374	75
मूरेड बुवॉय	16	19	11
टाइड गेज	36	36	29
उच्च आवृत्ति (HF) राडार	10	12	10
एकाउस्टिक डॉपलर करेंट प्रोफाइलर (ADCP)	20	20	17
सुनामी बुवॉय	4	7	2
वेव राइडर बुवॉय	23	16	12

*शेष फ्लोट्स / ड्रिफ्टर्स ने अपनी समय अवधि पूरी कर ली है, इसलिए उनसे कोई डेटा नहीं प्राप्त किया जा सकता।

समुद्र विज्ञान सेवाएँ

संख्या	पूर्वानुमान के प्रकार	महीने के दौरान जारी की गई परामर्शिकाओं की संख्या
1.	इंटीग्रेटेड पोटेंशियल फिशिंग जोन (PFZ) एडवाइज़री (सी सर्फेस टेम्परेचर (SST), क्लोरोफिल, विंड)।	29
2.	टूना मछली पकड़ने की परामर्शिकाएं	29
3.	समुद्री दशा का पूर्वानुमान (OSF) लहरें, पवन,धारा, एसएसटी(समुद्र तल का तापमान), MLD (मिश्रित परत की गहराई)और D20 पूर्वानुमान	31
4.	रियल टाइम वैश्विक समुद्र विश्लेषण (दैनिक)	30
5.	कोरल विरंजन चेतावनी प्रणाली	10

आउटरीच एवं जागरुकता

- अमेरिका की रोड आइलैंड यूनिवर्सिटी के प्रो. गोपू आर पट्टी ने साइंस एंड इंजीनियरिंग रिसर्च बोर्ड (SERB) - विजिट एडवांस्ड ज्वॉइंट रिसर्च (VAJRA) एडजंक्ट फैकल्टी के रूप में दिनांक 13 दिसम्बर 2021 से लेकर 13 जनवरी 2022 के दौरान एक माह के लिए राष्ट्रीय समुद्र प्रौद्योगिकी संस्थान (NIOT) का दौरा किया तथा ओशन एकाउस्टिक समूह के साथ संवाद करते हुए अपनी प्रथम विजिट को सफलतापूर्वक पूर्ण किया।
- पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय एवं इसके संस्थानों ने 73वां गणतंत्र दिवस मनाया।
- दिनांक 3 जनवरी 2022 को राष्ट्रीय पृथ्वी विज्ञान अध्ययन केन्द्र (NCESS) के 8वें स्थापना दिवस पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस वर्चुअल समारोह की अध्यक्षता डॉ. एम रविचंद्रन, सचिव, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने की।
- 12 जनवरी 2022 को वैज्ञानिकों एवं तकनीकीविदों हेतु आठ सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम के भाग के रूप में विभिन्न मंत्रालयों / विभागों के 21 वैज्ञानिकों के एक दल ने राष्ट्रीय ध्रुवीय एवं समुद्री अनुसंधान केन्द्र (NCPOR) का दौरा किया, जिसका संचालन भारतीय लोक प्रशासन संस्थान (IIPA), नई दिल्ली द्वारा किया गया, तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार ने इसको प्रायोजित किया।
- भारत मौसम विज्ञान विभाग ने 3 जनवरी 2022 को एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जनवरी-मार्च 2022 के लिए वर्षा पूर्वानुमान जारी किया।
- भारत मौसम विज्ञान विभाग ने यूट्यूब, फेसबुक, ट्विटर एवं आईएमडी वेबसाइट के माध्यम से अंग्रेजी एवं हिन्दी में प्रतिदिन लगभग 5 मिनट अवधि के मौसम पूर्वानुमान सम्बन्धी वीडियो जारी किए।
- भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा वेबसाइट एवं सोशल मीडिया (फेसबुक, ट्विटर, यूट्यूब आदि) के माध्यम से प्रत्येक गुरूवार को विस्तारित अवधि पूर्वानुमान (दो सप्ताह तक का) साप्ताहिक वीडियो जारी किए गए।
- भारत मौसम विज्ञान विभाग के क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा नियमित रूप से पूर्वानुमान वीडियो क्षेत्रीय भाषाओं में जारी किए गए ।
- ग्राफिक युक्त बुलेटिन एवं चेतावनी सोशल मीडिया समेत फेसबुक, ट्विटर, इंस्ट्राग्राफ, यूट्यूब एवं आईएमडी ब्लॉग पेज के माध्यम से भी जारी किए गए।
- गलगोटिया यूनिवर्सिटी के गणित विभाग के विद्यार्थियों ने एनसीएमआरडब्ल्यूफ का दौरा किया, वहां उन्हें एनसीएमआरडब्ल्यूफ की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी प्रदान की गई। यह दौरा "आजादी का अमृत महोत्सव" के अन्तर्गत भारतीय स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ संबंधी समारोह के एक हिस्से के रूप में था।

प्रकाशन

विषय	प्रकाशन			पीएचडी		
	अप्रैल, 2021 –	जनवरी,	कुल	अप्रैल, 2021 –	जनवरी,	कुल

	दिसम्बर 2021	2022		दिसम्बर 2021	2022	
वायुमण्डलीय विज्ञान	178	17	195	6	-	6
समुद्री विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	83	11	94	2	2	4
ध्रुवीय विज्ञान	40	1	41	1	-	1
भूविज्ञान एवं संसाधन	90	5	95	2	-	2
कुल	391	34	425	11	2	13

पेटेन्ट: 1

माह के दौरान समुद्री अनुसंधान पोतों का उपयोग

पोत	समुद्र पर दिन / उपयोग	अनुरक्षण / निरीक्षण / वैज्ञानिक लॉजिस्टिक / क्रूज तैयारी	क्रूज की संख्या
सागर निधि	0	31	0
सागर मंजूषा	0	31	0
सागर तारा	8	23	1
सागर अन्वेषिका	14	17	2
सागर कन्या	15	16	1
सागर सम्पदा	0	31	0

अनुलग्नक II

सं. एमओईएस/20/01/2017-स्था.
भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

पृथ्वी भवन, लोदी रोड
नई दिल्ली 110 003

दिनांक: 14 फरवरी, 2022

प्रमाण पत्र

(माह जनवरी2022 के लिए)

प्रमाणित किया जाता है कि पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय से संबंधित सभी पदों के संबंध में विस्तृत स्थिति जनवरी, 2022 माह के अंतिम दिन एवीएमएस पर अपडेट कर दी गई है। स्थिति का सार विवरण नीचे दिया गया है:-

(क) एवीएमएस में दर्ज किए जाने हेतु अपेक्षित पदों की कुल संख्या	-13
(ख) आज की तारीख की स्थिति के अनुसार भरे हुए पदों की संख्या	-10
(ग) आज की तारीख की स्थिति के अनुसार पूर्णत: रिक्त पदों की संख्या	-01
(घ) अतिरिक्त प्रभार व्यवस्था के अधीन पदों की संख्या	-02
(ङ) आगामी 6 माह में रिक्त होने वाले पदों की संख्या	-01

(इंदिरा मूर्ति)
संयुक्त सचिव
Js.moes@gov.in